पत्रिका

https://www.patrika.com/ahmedabad-news/representatives-from-10-countries-participated-in-edii-8061491/

ईडीआईआई में द्विवार्षिक सम्मेलन में 10 देशों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

अहमदाबादPublished: Feb 22, 2023 10:29:45 pm
Submitted by:

Omprakash Sharma

विविध विषयों पर सवा सौ से अधिक शोधपत्र होंगे पेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में उद्यमिता शिक्षा के महत्व पर चर्चा के लिए कुलपतियों का भी सम्मेलन

ईडीआईआई में द्विवार्षिक सम्मेलन में 10 देशों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

अहमदाबाद. भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया—ईडीआईआई) के बुधवार से आयोजित 15 वें द्विवार्षिक सम्मेलन में में 10 देशों के विद्वानों ने हिस्सा लिया। शुक्रवार तक चलने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और चिकित्सकों को उद्यमिता

विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययनों और निष्कर्षों को साझा करने के लिए एक मंच दिया गया। सम्मेलन के दौरान, सोशल, हरित, महिला, कृषि, डिजिटल, मध्यम लघु एवं सूक्ष्म उद्यम (एमएसएमई) और समावेशी उद्यमिता जैसे विषयों पर 10 देशों के स्कॉलर की ओर से सवा सौ से अधिक पेपर और अध्ययन पेश किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में उद्यमिता शिक्षा के महत्व पर चर्चा के लिए कुलपतियों का भी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने कहा कि दो साल में एक बार होने वाला यह सम्मेलन उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों में विचारों और मूल्यवान प्रतिक्रिया का आदान-प्रदान करने के लिए दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए एक मंच बना हुआ है। घाना स्थित कुमासी टेक्नीकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.डॉ. गेब्रियल ड्वोमोह ने कहा कि कहा कि एंटरप्रेन्योरशिप और एंटरप्राइज डेवलपमेंट को घाना में बहुत महत्व के साथ देखा जाता है। ऐसे समय में जब घाना में औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में नौकरी पाना मुश्किल है, हम नौकरी देने वालों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) एंटरप्रेन्योरशिप के प्रोफेसर डॉ कविल रामचंद्रन के अनुसार उद्यमिता या एंटरप्रेन्योरशिप आज अनुसंधान और नीति-निर्माण के मूल में है। यह एक वैश्विक चलन बन गया है। आज पूरे देश में पर्यावरण उद्यमिता के लिए अनुकूल है। किसी व्यवसाय की सफलता उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करती है, जिसमें व्यवसाय में शामिल मालिकों और अन्य लोगों की क्षमता और योग्यता भी शामिल होती है। फैमिली बिजनेस एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पीढ़ियों के बीच सुगमता सुनिश्चित करने के लिए गतिशीलता पर और अधिक शोध करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन का उद्घाटन के मौके पर भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय के डॉ अजीत के मोहंती, हैदराबाद स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन डॉ. रामकृष्ण वेलामुरी ने भी उद्यमिता को लेकर चर्चा की।